

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-1
संख्या: 18 /VII-1 /17-ख/2010
देहरादून : दिनांक: 11 जनवरी, 2011

कार्यालय ज्ञाप

जनपद बागेश्वर की तहसील काण्डा के ग्राम सिरालागांव, रेखोलागांव में 6.403 हैक्टेयर क्षेत्रफल में खनिज सोपस्टोन के प्रोस्पेक्टिंग कार्य हेतु प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस प्राप्त करने के लिए खनिज परिहार नियमावली, 1960 के प्राविधानों के अन्तर्गत आवेदकगण श्री किशन सिंह रेखोला पुत्र प्रताप सिंह, निवासी रेखोलागांव, पोस्ट सनेती, जनपद बागेश्वर एवं श्री उमेश सिंह कालाकोटी पुत्र श्री मोहन सिंह, निवासी अनेरिया, पोस्ट चौरा, बागेश्वर ने दिनांक 06.03.2006 को जिलाधिकारी कार्यालय बागेश्वर में प्रस्तुत आवेदन पत्र को प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस/खनन कार्य किये हेतु खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा-6 (1c) के अनुसार प्रा0ला0 के उपरानत खनन पट्टे हेतु निर्धारित मानक से कम होने के कारण शासन के कार्यालय ज्ञाप संख्या 555 /VII-1 /17-ख/2010, दिनांक 16 मार्च, 2010 द्वारा अस्वीकृत/निरस्त किया गया था।

आवेदक श्री किशन सिंह रेखोला पुत्र श्री प्रताप सिंह रेखोला, निवासी रेखोलागांव, जनपद बागेश्वर ने अपने पत्र दिनांक 05.10.2010 द्वारा अवगत कराया कि शासन द्वारा बिना प्रार्थीगण को सुने जनपद बागेश्वर की तहसील काण्डा के ग्राम सिरालागांव, रेखोलागांव में 6.403 हैक्टेयर क्षेत्रफल में खनिज सोपस्टोन का प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस चाहने हेतु उनके आवेदन पत्र दिनांक 06.03.2006 को निरस्त कर दिया गया, जो कि प्राकृतिक न्याय के विरुद्ध है। चूंकि मामले के समस्त संशोधित अभिलेख जिलाधिकारी कार्यालय बागेश्वर को दिनांक 10.11.2008 को प्रस्तुत किये जा चुके हैं। अतः प्रकरण पर पुनः विचार कर प्रार्थीगण को कोई नई तिथि से अवगत कराने का अनुरोध किया गया।

इस सम्बन्ध में आवेदक को शासन के पत्र संख्या 2481 /VII-1 /17-ख/2010, दिनांक 22 दिसम्बर, 2010 द्वारा दिनांक 31 दिसम्बर, 2010 को सुनवाई में शासन के समक्ष अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। उक्त सुनवाई में आवेदक श्री किशन सिंह रेखोला स्वयं उपस्थित हुए तथा जिलाधिकारी, बागेश्वर/उनके प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए।

आवेदक द्वारा अपने पत्र दिनांक 05.10.2010 में उल्लेख किया गया है कि उनके द्वारा दिनांक 10.11.2008 को संशोधित अभिलेख जिलाधिकारी कार्यालय बागेश्वर में जमा कराये जा चुके हैं। चूंकि खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा-11 के अधीन आवेदक के आवेदन पत्र से पहले के आवेदक के आवेदन पत्रों पर पहले विचार किये जाने का प्राविधान है। वर्तमान परिस्थिति में आवेदक द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय बागेश्वर को प्रस्तुत संशोधित अभिलेख पर विचार किये जाने से अन्य आवेदक, जिनके द्वारा

श्री किशन सिंह रेखोला से पूर्व आवेदन किया गया है, की प्राथमिकता प्रभावित होने के कारण आवेदक के प्रार्थना पत्र दिनांक 10.11.2008 द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र में संशोधन को निरस्त करते हुए निस्तारित किया जाता है।

31/12
(एस0राजू)

प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 18 (1)/VII-1/17-ख/2010, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. जिलाधिकारी, बागेश्वर।
2. ज्येष्ठ खान अधिकारी, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, भोपालपानी, पोस्ट बड़ासी, (कड़ई खाले) देहरादून।
3. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना एवं विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
4. श्री किशन सिंह रेखोला पुत्र प्रताप सिंह, निवासी रेखोलागांव, पोस्ट सनेती, जनपद बागेश्वर एवं श्री उमेश सिंह कालाकोटी पुत्र श्री मोहन सिंह, निवासी अनेरिया, पोस्ट चौरा, बागेश्वर।

आज्ञा से,

(एस0राजू)

प्रमुख सचिव।